

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर, सीकर
पीठासीन अधिकारी:- जय प्रकाश, आर.ए.एस.

पत्रावली संख्या:- 45/2015/अपील

रामलाल पुत्र नारायणराम जाति ब्राहमण निवासी ग्राम अजीतपुरा तहसील धोद जिला
सीकर

अपीलान्त

बनाम

- 1 भगवान सहाय पुत्र झूथाराम जाति चेजारा निवासी मोहल्ला चेजारान, सालासर बस
स्टेण्ड के आगे, कंवरपुरा रोड़ सीकर तहसील व जिला सीकर
- 2 भूमिधारक राजस्थान जरिये तहसीलदार धोद जिला सीकर

रेस्पोंडेन्टस

अपील विरुद्ध आदेश सनद पट्टा दिनांक 13.05.1987 तहसीलदार
सीकर मुकदमा संख्या 297/1985

वकील अपीलांत श्री प्रभातीलाल
वकील रेस्पोंडेंट श्री सागरमल धायल

निर्णय

दिनांक:-26.09.2019

संक्षेप में तथ्य अपील इस प्रकार है कि ग्राम अजीतपुरा नवसृजित तहसील धोद पुरानी तहसील सीकर जिला सीकर की तन में पुराना खसरा संख्या 219 रकबा 19 बीघा 12 बिस्वा के वर्तमान खसरा संख्या 465 रकबा 0.22 है, खसरा संख्या 487 रकबा 1.82 है, खसरा संख्या 489 रकबा 1.44 है, खसरा संख्या 530 रकबा 0.49 है, किस्म चारागाह (बंजड़ जोहड़) अवस्थित है। यह भूमि राजस्थान काश्तकारी अधिनियम प्रभाव में आने से पूर्व अर्थात् रियासत काल में अपीलान्त के पूर्वज मोतीराम ब्राहमण को ठिकानेदार द्वारा उदक में दी गई थी। उक्त मोतीराम अपीलान्त के दादा के दादा थे। जिनके एक पुत्र पीथाराम व पुत्री सुखी थी उक्त सुखी का जोहड़ में डूब जाने से आकस्मिक निधन हो गया था जिस कारण मोतीराम ने उक्त भूमि गांव के पशुओं की चराई हेतु छोड़ दी थी उस समय से ही इस चारागाह भूमि को सुख्याणी जोहड़ के नाम से जाना जाता है। यह भूमि पशुधन के चराई हेतु काम में आती है जिसमें ग्रामीणजनो एवं अपीलान्त का हित निहित होने के कारण अपीलान्त सुख्याणी जोहड़ की भूमि में से बिना किसी आधार के रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 के नाम भूमि का नियमन कर देने से प्रभावित व्यक्ति है उक्त भूमि को रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 के पक्ष में नियमन कर देने की अपीलान्त को पूर्व में जानकारी नहीं थी। रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 के पक्ष में जारी किया गया नियमन आदेश दिनांकित 10.10.1985 नियमन की परिधि में नहीं आता है, क्योंकि रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 नातो अजीतपुरा गांव का निवासी था, ना ही रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 का पट्टा में वर्णित भूमि पर वर्ष 1971 से पूर्व कभी अनाधिकृत कब्जा रहा परन्तु रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 ने दिनांक 11.09.1985 को बंजड़ जोहड़ की भूमि पर अनाधिकृत कब्जा करने की निगम से रास्ता के नजदीक पत्थर डाल दिये थे।

भू-राजस्व अधिनियम 1956 के तहत रेस्पोडेन्ट संख्या 1 के विरुद्ध कार्यवाही करने का आश्वासन दिया व अतिक्रमण की गई भूमि से रेस्पोडेन्ट संख्या 1 के पत्थर उठावा दिये थे। रेस्पोडेन्ट संख्या 1 ग्राम अजीतपुरा का निवासी नहीं था, ना ही वह कभी ग्राम अजीतपुरा में रहा रेस्पोडेन्ट संख्या 1 चुनौतिग्रस्त नियमन आदेश के पूर्व से लेकर वर्तमान तक सीकर में ही आवास निवास करता है यही पर उसका जन्म हुआ था। रेस्पोडेन्ट संख्या 1 के परिवार का कोई व्यक्ति ग्राम अजीतपुरा में आवास निवास नहीं करता है। चुनौतिग्रस्त सनद आदेश विधि के प्रावधानों के विपरीत है जिसकी अपीलान्ट को पूर्व में कभी जानकारी नहीं रही है। अपीलान्ट तहसीलदार सीकर के समक्ष उपस्थित हुआ और उन्हें पुराना खसरा संख्या 219 की भूमि पर अनाधिकृत अतिक्रमण करने के सम्बन्ध में बताया व उक्त भूमि में 500 वर्गगज का पट्टा भगवान सहाय के नाम से होना बताया। तत्पश्चात ग्रामीणजनो से राय मशविरा करके माननीय न्यायालय हाजा के समक्ष अतिशिघ्र ही अपील प्रस्तुत की जा रही है। अतः अपील अपीलान्ट स्वीकार फरमाई जाकर योग्य अधिनस्थ न्यायालय द्वारा मुकदमा संख्या 297/1985 में दिनांक 10.10.1985 को पारित निर्णय के आधार पर दिनांक 13.05.1987 को पारित आदेश सनद पट्टा को निरस्त किया जाने की कृपा करे।

अधिवक्ता उभयपक्ष की बहस सुनी गई एवं पत्रावली पर उपलब्ध रिकॉर्ड का अवलोकन किया गया। योग्य अधिनस्थ न्यायालय सर्वप्रथम पट्टवारी हल्का की रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण धारा 91 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम के तहत दर्ज किया जाकर अप्रार्थी को नोटिस जारी किया गया। अप्रार्थी अधिनस्थ न्यायालय के समक्ष उपस्थित आया एवं अपना जवाब नोटिस पेश किया। अधिनस्थ न्यायालय की आदेशिका दिनांक 10.10.85 में ग्राम अजीतपुरा की भूमि खसरा नम्बर 219 किस्म बंजड़ जोहड़ पर अप्रार्थी का अतिक्रमण पट्टियों का बाड़ा बनाकर किया जाना अंकित किया हुआ है एवं प्रार्थी भगवानसहाय पुत्र झूंधाराम के नाम तहसीलदार सीकर द्वारा जारी सनद दिनांक 10.10.1985 में केवल मात्र बाड़ा होना उल्लेखित किया हुआ है। पत्रावली पर उपलब्ध हल्का पट्टवारी की रिपोर्ट के मुताबिक प्रार्थी भगवानसहाय द्वारा भूमि खसरा नम्बर 219 किस्म बंजड़ जोहड़ पर पट्टियों का बाड़ा बनाकर पत्थर डालकर कब्जा करना अंकित किया हुआ है। प्रकरण धारा 91 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम के तहत दर्ज होने के उपरांत अप्रार्थी को जारी नोटिस में ईंटों का बाड़ा होना अंकित किया हुआ है। प्रार्थी भगवानसहाय द्वारा तहसीलदार सीकर के समक्ष नियमन हेतु प्रस्तुत आवेदन दिनांक 11.09.1985 में प्रार्थी में उक्त भूमि पर पत्थरों का बाड़ा होना अंकित किया हुआ है। पत्रावली पर उपलब्ध सरपंच ग्राम पंचायत जेरठी द्वारा जारी प्रमाण पत्र में ग्राम अजीतपुरा की भूमि खसरा नम्बर 219 पर श्री भगवानसहाय का बाड़ा होना, जिसमें पत्थर पड़े होना व पट्टी पड़ी हुई होना अंकित किया हुआ है। न्यायालय हाजा में विचाराधीन अपील पत्रावली के अवलोकन करने पर अप्रार्थी भगवान सहाय द्वारा प्रस्तुत जवाब आवेदन में उल्लेखित किया है कि उक्त बाड़े में प्रार्थी सन् 1970 के पूर्व से पट्टियों का बाड़ा बनाकर अपना कारोबार करता आया है जिसके सम्बन्ध में बिल-बिल्टी, भिन्न भिन्न दिनांक के बने हुये हैं एवं उक्त नियमन किये गये बाड़े में प्रार्थी ने विधुत सम्बन्ध एवं टेलीफोन कनेक्शन भी ले रखा है। पत्रावली पर उपलब्ध मौका कमिश्नर रिपोर्ट दिनांक 03.07.2014 के मुताबिक प्रार्थी भगवान सहाय के नियमन की गई भूमि पर पट्टियों का बाड़ा होना अंकित किया हुआ है। प्रार्थी के पक्ष में जारी सनद आदेश दिनांक 10.10.1985 बाड़ा के प्रयोजन हेतु जारी किया हुआ है।

के अनुरूप किया जाना उल्लेखित किया हुआ है। जबकि न्यायालय तहसीदार सीकर द्वारा पारित आदेश दिनांक 13.05.87 के द्वारा जारी सनद बाड़ा के प्रयोजन हेतु जारी किये जाने के बावजूद पटवारी हल्का की रिपोर्ट, प्रार्थी द्वारा नियमन हेतु प्रस्तुत आवेदन, सरपंच ग्राम पंचायत जेरठी द्वारा जारी प्रमाण पत्र में पत्थरों, पट्टियों का बाड़ा होना अंकित किया हुआ है एवं प्रार्थी भगवान सहाय द्वारा न्यायालय हाजा के समक्ष प्रस्तुत जवाब आवेदन में पट्टा स्थल भूमि पर पट्टियों का बाड़ा बनाकर अपना कारोबार करना उल्लेखित किया हुआ है। उपरोक्त सम्पूर्ण विवेचन से प्रार्थी के पक्ष में न्यायालय तहसीलदार सीकर द्वारा पारित आदेश दिनांक 10.10.1985 के आधार पर जारी सनद आदेश दिनांक 13.05.1987 वास्ते बाड़ा हेतु प्रयोजन के लिये उपयोग में लेने के लिये जारी किये जाने के उपरांत प्रार्थी द्वारा उसका उपयोग ईट, पत्थर एवं पट्टियों का बाड़ा बनाकर काम में लिया जाना प्रतीत होता है। अतः अपील अपीलांट स्वीकार की जाती है तथा अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार सीकर द्वारा प्रकरण संख्या 297/1985 में पारित निर्णय दिनांक 13.05.1987 को निरस्त किया जाता है।

निर्णय आज दिनांक 26.09.2019 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(जय प्रकाश)

अति० जिला कलक्टर, सीकर



सत्यमेव जयते

Web Copy - Not Official